उसने हमें भविष्यवक्ता दिए

अध्ययन निर्देशिका

अध्याय तीन

वाचा के लोग

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-वस्तु

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका 3

नोट्स 4

I. परिचय (0:28) 4

II. वाचा में मानवजाति (1:20) 4

A. मुख्य विषय (3:21) 4

1. आदम (3:28) 4

2. नूह (6:17) 5

B. भविष्यवक्ता की निर्भरता (8:51) 6

1. राष्ट्रों के पाप (9:50) 7

2. राष्ट्रों के लिए छुटकारा (10:31) 7

III. इस्राएल के साथ वाचा (12:43) 8

A. अब्राहम (13:37) 8

1. मुख्य विषय (14:06) 8

2. भविष्यवक्ताओं की निर्भरता (14:53) 8

B. मूसा (16:22) 9

1. मुख्य विषय (16:51) 9

2. भविष्यवक्ता की निर्भरता (17:29) 9

C. दाऊद (18:35) 10

1. मुख्य विषय (18:59) 10

2. भविष्यवक्ताओं की निर्भरता (19:58) 10

D. नई वाचा (21:12) 10

IV. वाचा में उद्धार (23:24) 11

A. वाचा से बाहर (24:29) 11

B. दृष्टिगोचर वाचा (26:14) 11

C. अदृश्य वाचा (33:00) 12

V. निष्कर्ष (39:09) 13

पुनर्समीक्षा के प्रश्न 14

उपयोग के प्रश्न 19

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

नोट्स

I. परिचय (0:28)

II. वाचा में मानवजाति (1:20)

परमेश्वर ने अपने और अपने लोगों के बीच प्रतिनिधियों के माध्यम से वाचाओं को स्थापित किया। ये प्रतिनिधी थे- आदम, नूह, अब्राहम, मूसा और दाऊद।

आदम और नूह के साथ की गई वाचाएं सार्वभौमिक वाचाएं थीं। ये परमेश्वर और सारी मनुष्यजाति के बीच स्थापित की गई थीं।

A. मुख्य विषय (3:21)

1. आदम (3:28)

आदम के साथ वाचा को पारंपरिक रूप से "कार्यों की वाचा" के रूप में जाना जाता है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

आदम के दिनों में तीन स्तम्भ स्थापित किए गए थे जो बाइबल के पूरे इतिहास में बने रहे हैं :

- मानवीय जिम्मेदारी
- मानवीय भ्रष्टाचार
- और मानवीय छुटकारा

इन आधारभूत स्तम्भों ने :

- संपूर्ण इतिहास में पारस्परिक दैवीय और मानवीय क्रियाओं की संरचना को स्थापित किया
- वे अब पूरी मनुष्यजाति के लिए हैं

2. नूह (6:17)

अतिरिक्त विशेषता : भौतिक ब्रह्मांड की स्थिरता

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

परमेश्वर मनुष्यजाति के साथ अपने धैर्य को दर्शा रहा था।

परमेश्वर ने हमें एक व्यवस्थित संसार दिया है ताकि हम हमारी मानवीय नियति को उसके स्वरूप के रूप में सेवा करके पूरा कर सकें।

परमेश्वर ने दैवीय धीरज और परमेश्वर के स्वरूपों के रूप में हमारी मानवीय नियति के पुनः पुष्टिकरण को स्थापित किया।

B. भविष्यवक्ता की निर्भरता (8:51)

परमेश्वर के वाचायी दूतों के रूप में :

- पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने अपना अधिकांश ध्यान इस्राएल राष्ट्र पर लगाया।

- इसके साथ-साथ वे संसार के दूसरे राष्ट्रों को भेजे गए दूत भी थे।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

1. राष्ट्रों के पाप (9:50)

भविष्यवक्ताओं ने सामान्यतः राष्ट्रों के पापों को दर्शाया और उनके प्रति परमेश्वर के दण्ड की चेतावनी दी।

2. राष्ट्रों के लिए छुटकारा (10:31)

भविष्यवक्ताओं ने पृथ्वी के राष्ट्रों के लिए बड़ी आशीषों के भविष्य की भी बात कही।

पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने :

- राष्ट्रों द्वारा परमेश्वर के विरूद्ध किए गए उल्लंघनों की ओर ध्यान आकर्षित किया।

- घोषणा की कि एक दिन परमेश्वर पृथ्वी की हर जाति और राष्ट्र से लोगों को छुड़ाएगा।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

III. इस्राएल के साथ वाचा (12:43)

परमेश्वर ने इस्राएल के साथ तीन मुख्य वाचाएं स्थापित कीं : अब्राहम, मूसा और दाऊद के माध्यम से।

A. अब्राहम (13:37)

अब्राहम के साथ परमेश्वर की वाचा पहली वाचा थी जिसने इस्राएल को परमेश्वर के अनुग्रहकारी छुटकारे को बताने के लिए चुने गए परिवार के रूप में पहचाना।.

1. मुख्य विषय (14:06)

परमेश्वर ने एक विशेष राष्ट्र को चुना।

परमेश्वर ने अब्राहम को अनगिनत वंश और एक विशेष भूमि की प्रतिज्ञा की।

2. भविष्यवक्ताओं की निर्भरता (14:53)

भविष्यवक्ताओं ने उसी वाचा को स्मरण किया जो परमेश्वर ने अब्राहम के साथ की थी, जब उन्होंने परमेश्वर की ओर से इस विषय में कहा :

- अपने लोगों को भूमि देने

- उनकी संख्या को बढ़ाने

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

B. मूसा (16:22)

मूसा की वाचा मनुष्य जाति के सकारात्मक छुटकारे में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

1. मुख्य विषय (16:51)

मूसा के साथ किया गया समझौता परमेश्वर की व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करता है।

मूसा की वाचा ने वाचायी जीवन के नियमों पर ध्यान केन्द्रित किया। इसके नियम :

- आज्ञा मानने वालों को आशीष देते हैं

- आज्ञा न मानने वालों को श्राप देते हैं

2. भविष्यवक्ता की निर्भरता (17:29)

भविष्यवक्ताओं ने इस्राएल को मूसा की व्यवस्था के प्रति विश्वासयोग्य रहने में उसकी जिम्मेवारी को स्मरण करवाने के द्वारा वाचा का प्रयोग किया।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

C. दाऊद (18:35)

1. मुख्य विषय (18:59)

दाऊद के साथ की गई वाचा के मुख्य विषय :

- परमेश्वर के लोगों को एक बड़े साम्राज्य के रूप में बनाना

- दाऊद के परिवार को परमेश्वर के लोगों पर एक स्थाई शासक स्थापित करना

2. भविष्यवक्ताओं की निर्भरता (19:58)

परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की कि अंत में दाऊद का राज्य एक भव्य, विश्वव्यापी राज्य होगा।

D. नई वाचा (21:12)

पहले की वाचाओं में परमेश्वर के लोगों को दी गई सभी प्रतिज्ञाएं नई वाचा में पूरी होनी थीं।

पुराने नियम के भविष्यवक्ता इस महान् वाचा के लिए लालायित थे।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

IV. वाचा में उद्धार (23:24)

पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने लोगों को "उद्धार पाए हुए" और "उद्धार न पाए हुए" की स्पष्ट श्रेणियों के अंतर्गत नहीं रखा।

A. वाचा से बाहर (24:29)

पुराने नियम के दिनों में, जो वाचायी समुदाय से बाहर थे, वे उद्धार पाने की संभावना से रहित थे।

B. दृष्टिगोचर वाचा (26:14)

दृष्टिगोचर वाचायी समुदाय में वे सब आते हैं जो पुराने नियम के दिनों में इस्राएल राष्ट्र के अंग थे :

- विश्वासी

- गैरविश्वासी

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

विश्वासियों और गैरविश्वासियों से मिश्रित दृष्टिगोचर कलीसिया को यह कहा जा सकता है :

- “कलीसिया”
- “(परमेश्वर का)” राज्य
- “परमेश्वर का घराना”
- “परमेश्वर का परिवार”

जब हम “अलग किए गए” या “चुने गए” जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं तो सामान्यतः हमारा अर्थ उद्धार के लिए अलग किए गए लोगों से होता है। परन्तु भविष्यवक्ताओं का प्रायः यह अर्थ नहीं था।

भविष्यवाणी के शब्दों में परमेश्वर द्वारा चुना जाना उद्धार के लिए चुना जाना नहीं बल्कि वाचायी आशीषों के लिए चुना जाना होता है।

C. अदृश्य वाचा (33:00)

अदृश्य वाचायी समुदाय : वे सारे मनुष्य जो उद्धार के विश्वास में आते हैं और जो परमेश्वर की आशीष में अनन्तता को बिताएंगे।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

अदृश्य कलीसिया केवल सच्चे विश्वासियों से बनी होती है।

अदृश्य कलीसिया के पास उद्धार की एक सुरक्षित मंजिल होती है।

पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं विश्वास किया कि एक अदृश्य वाचायी समुदाय था : वे बचे हुए विश्वासयोग्य लोग जिन्होंने उद्धार देने वाले अपने विश्वास को क्रियान्वित किया था।

वाचा में रहना छुटकारा पाने या अनन्त रूप से उद्धार पाने के समान नहीं था।

V. निष्कर्ष (39:09)

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. वाचा में मानवजाति के दो मुख्य विषयों का वर्णन कीजिए।

2. किन दो रूपों में पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं की सेवकाइयां सार्वभौमिक वाचाओं पर निर्भर थीं।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. अब्राहम के साथ वाचा पर भविष्यवक्ताओं की निर्भरता और मुख्य विषयों का वर्णन कीजिए।

4. मूसा के साथ वाचा पर भविष्यवक्ताओं की निर्भरता और मुख्य विषयों का वर्णन कीजिए।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. दाऊद के साथ वाचा पर भविष्यवक्ताओं की निर्भरता और मुख्य विषयों का वर्णन कीजिए।

6. पुराने नियम के भविष्यवक्ता किस प्रकार नई वाचा से प्रभावित थे?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. उनकी श्रेणी का वर्णन करें जो वाचाई समुदाय से बाहर थे।

8. उनकी श्रेणी का वर्णन करें जो दृष्टिगोचर वाचाई समुदाय के भीतर थे।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

9. उनकी श्रेणी का वर्णन करें जो अदृश्य वाचाई समुदाय के भीतर थे।

10. उन भिन्नताओं को पहचानना क्यों जरुरी है जो पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने उद्धार पाए लोगों और वाचाई लोगों के बीच दर्शाई थीं?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

उपयोग के प्रश्न

1. भविष्यवक्ताओं ने छुटकारे के विषय में बात की और वे जानते थे कि परमेश्वर सदैव हर राष्ट्र से लोगों को छुड़ाना चाहता था। किस प्रकार यह शिक्षा मिशन के बारे में आपकी समझ को प्रभावित करती है?

2. मूसा के साथ वाचा किस प्रकार आज विश्वासियों को प्रभावित करनी चाहिए?

3. पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों को दी गई प्रतिज्ञाएं किस प्रकार नए नियम में पूरी हुईं? किस प्रकार यह ज्ञान संपूर्ण पवित्रशास्त्र के आपके दृष्टिकोण को प्रभावित करना चाहिए?

4. वाचा के संबंध में उद्धार की तीन भिन्नताएं किस प्रकार आज की कलीसिया के बारे में आपके ज्ञान को बढ़ाती हैं?

5. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है? क्यों?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org